खास बातचीत

ग्रेटर नोएडा में एक कार्यक्रम में आए केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने एनबीटी से कहा

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे की तर्ज पर एनसीआर में बने मेट्रो रिंग कॉरिडोर

Vinod.Sharma1
@timesgroup.com

नोएडा : केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर एनसीआर में अकेले ऐसे सांसद हैं जो सबसे ज्यादा मतों के अंतर से जीते हैं। इस मामले में उनका देश में तीसरा नंबर है। वह फरीदाबाद से दूसरी बार सांसद चुने गए हैं। उनका कहना है कि जैसे दिल्ली के चारों तरफ ईस्टर्न व वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे बने हैं और इससे दिल्ली में ट्रैफिक का प्रेशर कम हुआ है और प्रदूषण में भी कमी आई है। ऐसे ही दिल्ली के बाहर एनसीआर के शहरों को सीधे मेट्रो की कनेक्टिविटी से एक दूसरे शहरों से जोड़ने के लिए मेट्रो रिंग कॉरिडोर बनाने की जरूरत है। वह बुधवार को ग्रेटर नोएडा में एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। एनबीटी ने उनसे नोएडा-ग्रेटर नोएडा व फरीदाबाद के अलावा उनके मंत्रालय को लेकर सवाल-जवाब किए।

केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर

सवाल : आप फरीदाबाद के सांसद और केंद्र में मंत्री हैं, पब्लिक ट्रांसपोर्ट से कनेक्टिविटी के मामले में ग्रेटर नोएडा व फरीदाबाद के बीच स्थिति में कब सुधार होगा?

जवाब : यह बात सही है कि ग्रेटर नोएडा व फरीदाबाद के बीच पब्लिक ट्रांसपोर्ट अभी तक उतना बेहतर नहीं हुआ है जितना होना चाहिए। मेरा मानना है कि जैसे दिल्ली के बाहर रिंग रोड की तर्ज पर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे बना है उसी तर्ज पर मेट्रो रिंग कॉरिडोर एनसीआर के शहरों में होना चाहिए। अभी फरीदाबाद के लोगों को पहले दिल्ली जाना पड़ता है इसके बाद वे नोएडा या ग्रेटर नोएडा आते हैं। हमने फरीदाबाद से गुड़गांव के बीच मेट्रो मंजूर करा दी है। नोएडा से गाजियाबाद में भी मेट्रो की कनेक्टिविटी बन रही है। तब क्यों नहीं फरीदाबाद से नोएडा या ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो की लाइन होनी चाहिए। इससे सभी का समय बचेगा। आवागमन से कारोबार बढ़ेगा। इसके लिए जल्द ही पत्र भी लिखूंगा।

सवाल : नोएडा में कालिंदी कुंज के पुल के बाद पलवल के बीच यमुना नदी पर कोई भी पुल नहीं है। आपने मंझावली में एक पुल बनवाया है जो जल्द पूरा होने वाला है। क्या यह पर्याप्त है?

जवाब : जिस तरह से नोएडा-ग्रेटर नोएडा बढ़ रहा है, फरीदाबाद में भी ग्रेटर फरीदाबाद का विस्तार हो रहा है। मंझावली के अलावा होडल के निकट हसनपुर में भी यमुना पर एक नया पुल बन रहा है। हमें दोनों शहरों के बीच में भविष्य की जरूरत के हिसाब से हर दस किलोमीटर पर यमुना नदी में पुल बनाने के प्लान पर सोचना होगा। इसके लिए मैं फरीदाबाद व गौतमबुद्ध नगर जिले के अधिकारियों के बीच एक बैठक करूंगा।

सवाल : अभी तक एफएनजी को लेकर प्रस्ताव अटका हुआ है। यह आपके ही कार्यकाल में आया था?

जवाब : मैं इस मामले में जल्द ही ट्रांसपोर्ट मंत्रालय के अधिकारियों से बात करूंगा। डीएनडी से कालिंदी कुंज होते हुए मंडकोला (केएमपी) तक इसके बाद दिल्ली-मुंबई के बीच प्रस्तावित एक्सप्रेसवे को लिंक करने वाले 60 किमी लंबे नैशनल हाईवे पर काम शुरू हो गया है। 3600 करोड़ रुपये की लागत से यह प्रॉजेक्ट दो साल में पूरा होना है। इसमें लगभग 14 किलोमीटर तक एलिवेटेड है।

सवाल : यमुना नदी की सफाई को लेकर आपका क्या कहना है?

जवाब : वास्तव में यमुना नदी बहुत मैली है। दिल्ली सरकार के सारे नाले यमुना नदी व आगरा नहर में गिर रहे हैं, इन्हें रोकने की जरूरत है। इसका फसल और आम आदमी के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है।

सवाल : सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय की जनता से जुड़ी क्या कोई खास योजनाएं हैं?

जवाब : नई सरकार में हम पहले 100 दिन के एजेंडा पर काम कर रहे हैं। उनमें पिछले पांच साल में लागू की गई योजनाएं कितनी कारगर रही हैं, इसके अलावा अधूरे कार्यों को तेजी से पूरा कराना भी है। जैसे सुगम्य भारत अभियान के तहत अस्पताल, बस स्टैंड, एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांग के लिए ऐसी सुविधाएं लागू कराना है जो उनके आवागमन को सुगम बनाएं। इसी तरह दिव्यांग की कैटिगरी में 7 की बजाय 21 कैटिगरी को शामिल कर उनके कल्याण की योजनाओं को लागू किया जा रहा है।